<u>ओपरोल ओडउंलो पाडतनकी मननि रातन्कि नियमा</u>

(ओपरोल भाषा मे लिखने और पढ़ने का नियम)

(A sample way to read and write Oprol)

(फरवरी, 2023)

ओपरोल ओडउंलो पाड़तनकी मननि रातन्कि नियमा

(ओपरोल भाषा लिखने ओर पड़ने का तारीका)

[A sample way to write Oprol]

तारीक: मांगा, 2023

इपुस्तक रासनोलु

सबरिया (ओप्रोल) ओड्डाउँ मनानि पुस्तक विकास टीम

सम्पर्क चेत्तनकि नम्बर:

सबरिया (ओप्रोल) ओड्डाउँ मनानि पुस्तक विकास टीम

विसय सूचीया

विसया **पन्ना नम्बरा**

इपुस्तक बारे मेना कुतु जारुरि माटा.....4

ओपरोल ओडउंलोलदि नकसा.....5

ओपरोल ओडउंलोदि वर्नमाला.....6

मात्रा.....6

स्वरतो सब्दा.....7

व्यजंनतो सब्दा.....7

सरसंउ अक्चरा.....9

ओपरोल ओडउंलो पाडतनकी मननि रातन्कि नियमा.....11

ओपरोल ओडउं लो ओरालउँ पेरलु.....14

ओपरोल ओडउं लो महीनल पेरलु.....14

ओपरोल ओडउँ लो गिनतीया 15

ओपरोल ओडउंलो सांतरउ.....16

ओपरोल ओडउंदि सब्दकोसु.....20

इपुस्तक बारे मेना कुतु जारुरि माटा

ओपरोल ओडउं छत्तिसगड़ा लो जाँजगिर-चाँपा,बलोदाबाजारा, सारन्गड़ा -बिलाईगड़ा, रायगड़ा, कोरबा, सक्ति जिलालो मालड़तोहोलु। इकड़ा लगभग 1,10,000 मेड़स्लु इभासालो मलड़तोहोलु। इपुस्तका मेचओपरोल ओड़उ एला रातनक ओंड़दि, दनकानि ओक विचार चेतनकि मननि समझतनकि ओन्ड़दि। इ पुस्तकलोनि मओड़उलो मलड़तनकि मननि अक्चरनि एला रातनकि ओन्ड़दि, दनकानि नियमा, उदाहरनगटनि ओन्डइ। इदि मउँ इपड़ु ओक सरवे रुपलो चेतनउं। इ पुस्तका ओपरोल ओड़उनि एला सकन पड़तउं मननि रातउं, दिनकानि इदि ओक प्रयास ओन्डदि।

प्रस्तावना

ओपरोल भाषा छत्तिसगढ़ के जाँजगीर-चाँपा, बलौदाबाजार, सारंगढ़-बिलाईगढ़, रायगढ़, कोरबा, सक्ति जिले में बोली जाती है। जहाँ लगभग 1,10,000 लोग इस भाषा को बोलते है। यह किताब ओपरोल भाषा को किस प्रकार से लिखना और पढ़ना है, उसके लिये एक सहायक पुस्तिका के रुप में है । इस किताब में हमारी भाषा में होने वाले उच्चारण और किन अक्षरों को कैसे लिखना है, उसके लिये नियम, उदाहरण आदि दिया हुआ है। जो हम अभी परीक्षण के रुप में रखेंगे। यह पुस्तक ओपरोल भाषा को कैसे आसानी से पढ़ और लिख सकते है, उस के लिये एक पहला प्रयास है ।

ओपरोल ओडउंओलदि नकसा

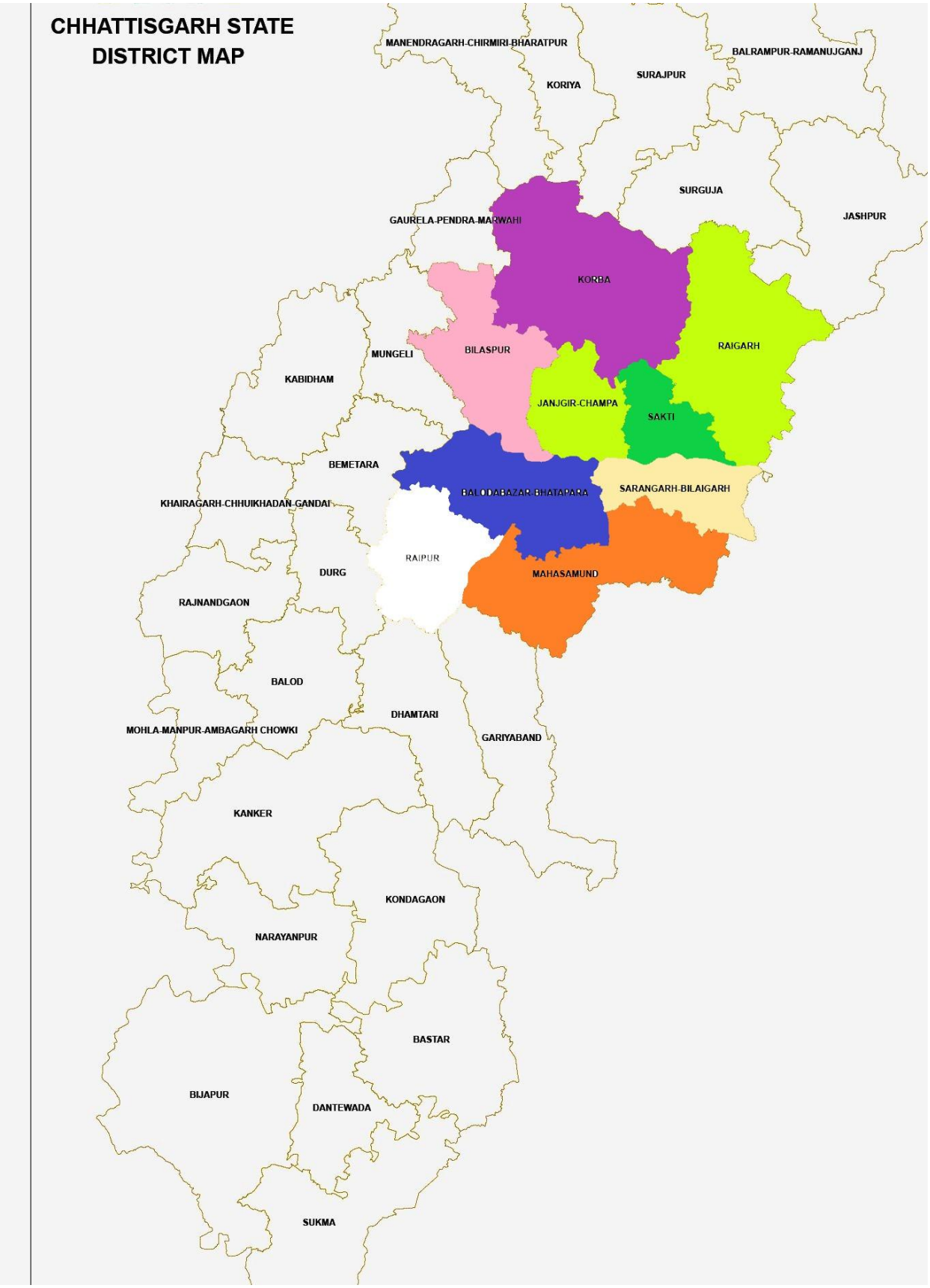

ओपरोल ओडउंलोदि वर्नमाला

ओपरोल अक्चरमाला

स्वरा

अ आ इ ई उ ऊ ए ओ अं

व्यंजना

क ख ग घ

च छ ज झ

ट ठ ड ढ

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

स ह

ड़

मात्रा

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ओ	अं
	ा	ि	ी	ु	ू	े	ो	ं

स्वरतो ओचन सब्दा

अक्चरा	मोग्ट अक्छरा	मतलबा	नेड़दल अक्छरा	मतलबा	आँकरि अक्छरा	मतलबा
अ	अन्नामडु	छोटे भाई	पदअइया	बड़े पापा		
आ	आरू	छ:	ताता	दादा जी	अइया	पिता
इ	इच्चि	अब	तेगपिन्दी	कटगया	पिन्नि	चाची
ई	ईपि	पीठ	अकबकिच्चि	बेचैन	उत्तर ई	उत्तर दे
उ	उन्डू	रहना	कोड़पुन्जू	मुर्गा	बिँउ	चावल
ऊ	ऊन्दि	पुकमरना	नुऊ	तुम	नोऊ	हंसना
ए	एम्मि	बेचना	मोपेट्टि	ढाकना	मरे	हाँ
ओ	ओल्लु	शरीर	सगोट्टि	मरना	पोसको	डाल लो
अं	अंगूरकाया	अंगूर	पंगरिच्चि	पेर फेलाना		

व्यजंनतो सब्दा

अक्चरा	मोग्ट अक्छरा	मतलबा	नेड़दल अक्छरा	मतलबा	आँकरि अक्छरा	मतलबा
क	कलमा	पेन	सोकलु	तारे		
ख	खुसी	खुशी				
ग	गाली	हवा	सागोट्टि	मारना		
घ	घड़ीया	घड़ी				
च	चाँपा	मच्छली	ओच्चानु	आया		
छ	छानी	घर के छत				
ज	जातरि	मेला	बोजउँ	कंधा		
झ	झन्डा	झंडा				

ट	टिकलि	बिंदी	पटउँ	छज्जा		
ठ	ठिकि	ठिक	कठिनि	कठिन		
ड	डोब्लु	पैसा	एडगु	पूछना		
ढ	ढोल	ढोल				
त	ताता	दादाजी	अता	सास		
थ	थाना	थाना				
द	देगरि	निकट	अड़दी	उसका		
ध	धनिया	धनिया				
न	नलगु	चार	ओदनी	भाभी		
प	पदउँ	गाना	आपडू	तब		
फ	फाइली	फाइल				
ब	बट्टा	कपड़ा	जोबलु	बरबार		
भ	भयंकरा	भयंकर				
म	मननि	और	मामा	मामा		
य	येदुलु	गाय	काया	फल		
र	रबड़ा	रबड़	कारउँ	तिखा		

ल	लाप्टा	अन्दर	नालगु	चार		
व	वकीली	वकील	बावा	जीजा		
स	साना	बस	सियान	मुख्या		
ह	हाता	सीमा	ऐट्टोहोड़ु	कहता हे		
ड़			कोड़पुन्जू	मुर्गा		

सेरसंउ अक्चरतो सब्दा

ट्टु	ग्गा	ल्लु	म्बु	क्कु	न्ना	न्दि	क्का	न्नु	च्चि
ग्गु	न्नि	प्पा	म्मा	ल्लि	ब्ब	न्ज	ग्गि	स्ट	स्त
स्प	प्क	न्ह	स्लो	प्ट	क्लु	द्दि	ग्य	त्ति	ट्टा
न्डु									

ओपरोल	मतलबा
जुट्टु	बाल
बोग्गा	गाल
इल्लु	घर
निम्बुकाया	निम्बु
पेट्टा	पक्छि
मुक्कु	नाक
अन्ना	बडे भईया

ओपरोल	मतलबा
चेन्दि	छोटा
कोक्का	कुत्ता
नन्नु	मैं
इच्चि	देना
बुग्गु	राक
पिन्नि	चाचि

अप्पा	दिदि
अम्मा	मा
बेल्लि	छिपकली
डब्बा	डब्बा
गोन्जा	खुटि
एग्गि	आग
पेस्ट	दान्त मन्जन
नास्ता	नास्ता
देड्स्पोनाडु	डर जाना
उप्कलु	नमक

चिन्हा	चिन्ह
मुस्लोडु	बुजुर्ग
लप्टा	आन्दर
आक्लु	कागज
पद्दि	बड़ा
ग्यपोतु	भेसा
केत्ति/कत्ति	हाँसिया
बट्टा	कापड़ा
उनडु	रहो

ओपरोल ओडउंलो पाडतनकी मननि रातन्कि नियमा

1. म ओडवलोनि मुक् तो ओडेक्न्दि "स्वरा" मननि "साब्दा" राइन ओंडई, दिनि मउं अक्चर पेना (ँ) लगिचि सिबेड़तोनउं।

हमारे भाषा में नाक से निकालने वाले स्वर या शब्द ज्यादा हे, इसको हम अक्षरों के उपर (ँ) लगकार व्यक्त करते हे।

उदहारना:- *बिउँ* - "चावल", *आँड़दि* - "महिला"

2. म ओडवलोनि (जोड़ा) अक्चरा बारि उपयोग ओइतोहोन्दि। मरि ओक्टे व्यंजना रोन्डु अक्षरो रोन्ड जोबलु ओतोनइ अपडु मोंगट अंक्चरा किन्दकि हलंत (क) रपोतेनि मोक् रासि मोरोक्टि अक्चरा तोनि (एलगु र्, क्का, ल्ल, म्म, प्प,) लगिचि रतोनउं। मननि ओको-ओको देक्ड़ा अक्चरा ओक् जोबे ओतोनइ अपडु दनि भि अलगेनि रतोहोलु। अलगु (म्ह, क्य, न, र्च, स्क, ल्ह)।

हमारे भाषा में सयुंक्त (जोड़ा) अक्षरों का बहुत उपयोग होते हे। जैसे कि एक ही व्यंजन के दो अक्षर दो बार आता हे तो पहले अक्षर के निचे हलंत (क्) या आधा लिखकर दुसरे अक्षर के साथ (जैसे र्, क्क, ल्ल, म्म, द्द, ट्ट, प्प,) लगा कर लिखते हे। और अलग अलग अक्षरों को एक साथ आता हे तो उनको भी वासे ही लिखते हे। जैसे (म्ह, क्य, ब्र, र्च, स्क, ल्ह)।

उदहारना:- *एल्लालु* - "गया", *मुस्लि* - "मगरमछ", *बोग्गा* - "गाल",

लेकिन जब द के उपर द या ट के उपर ट लिखना ने तब हाम द्द, ट्ट, के उपयोग करते हे।

उदहारना:- *पद्दि* - "बड़ा", *पेट्टा* - "चिड़िया"

3. म सबिया ओडवलोनि एपड़ु अक्चरा नेड़दला रपोतेनि अकरिनि (अगं) (ञ ड़ ण) ओतोहोन्दि अपड़ु अउं अक्चरा पेनि (ं) पेटि चेप्तोनउ।

हमारी ओपरोल भाषा में जब शब्द के बीच या अन्त में (अगं) (ञ ङ ण) आता हे तो हम शब्द के ऊपर (ं) लगकार व्यक्त करते हे। लेकिन जब म या न शब्द के बिच में आते हे तो उसको अधा अक्षर में लिखते हे।

उदहारना:- *पंगरिच्चि* - "फेलाना", *बन्दुकु* - "बन्दुक", *बम्मा* - "बम्ब"

4. म ओडवलोनि (श,ष,स) इमुड़ुनि ब्यंजना कनि केवलनि "स" ब्यंजन अक्चरा "का" दि उपयोग चेतोनउ।

हमारे भाषा में श, ष, स इन तीनो व्यंजनों के लिये केवल स व्यंजन अक्षर का ही का उपयोग करते हे।

उदहारना:- *सरवन* - "श्रावन", *संकर* - "शंकर"

5. मभासालोकि क्ष, त्र, ज्ञ, श्र व्यंजना अक्छरा लोदु, अनके मउं क्ष - क्छ, त्रा- त्र्, ज्ञ- ग्य, श्रा- स्र, क्ष - क्छ रसि परयोग चेतोनउं

हमारी भाषा में क्ष त्र ज्ञ श्र व्यंजन अक्षर नही हे। इसलिये हम उसको त्रा- त्र्, ज्ञ- ग्य, श्रा- सर, क्ष- क्छ लिख के प्रयोग करते हे।

उदहारना:- *छमा* - "क्षमा", *ग्यानी* - "ज्ञानी", *सरवन* - "श्रवन"

6. माभासा लोकि ड़ अवाज कि कुस मेड़स्लु ण पुचकोतोहोलु, मरि मउं ण नि ड़ अटोनउं मननि रातोनउं।

हमारे भाषा में ड़ ध्वनि के लिये कुछ लोग ण इस्तेमाल करते हे। लेकिन हम ण को ड़ बोलते हे ऑर इसतेमाल करते हे।

उदहारना:- आपड़ु - “तब”, उड़उँ - “गोग”

7. हिन्दिय मननि छत्तिसगढी सब्दा मभासा रातनकि पुचकोतउं अपड़ु हिन्दि मननि छात्तिसगड़ि ब्यंजनअ रातनकि पुचकोतउं। एलगु - ख,घ,छ,झ,ठ,ढ,थ,ध,फ,भ।

हिन्दी या छत्तिसगढ़ी शब्द को जब हम अपने भाषा में इसतेमाल करते हे तब हिन्दी ओर छत्तिसगढ़ी व्यंजन को इसतेमाल करते हे। जॅसे कि - ख,घ,छ,झ,ठ,ढ,थ,ध,फ,भ।

उदहारना:- *खतरनाका* - “खतरनाक”, *घड़िया* - “घडी”, *छलकनादि* - “छलकना”, *झंडा* - “झंडा”

ओपरोल ओडउंलो ओरालउँ पेरलु

ओपरोललो	हिन्दीलो
साँवारउँ	सोमवार
मंगलारउँ	मंगलवार
बोदारउँ	बुधवार
लेच्चरउँ	गुरुवार
सुकरारउँ	शुक्रवार
सेन्नारउँ	शनिवार
अदरउँ	रविवार

ओपरोल ओडउंलो महीनल पेरलु

ओपरोल	हिन्दीलो
वैशाखा	वैशाख
ज्येटि	ज्येष्ठ
आवेटी	आषाढ़
सावना	श्रावण
भाँदो	भाद्रपद
कोँवारा	आश्विन
कार्तिकि	कार्तिक
आगाना	मार्गशीर्ष
पुषु	पौष
माँघा	माघ
फागुनु	फाल्गुन
चैत	चेत

ओपरोल ओडउँ लो गिनतीया

अंग्रेजीलो	ओपरोल ओडउंलो	हिन्दीलो
1	ओक्ट्टी	एक
2	रोन्डु	दो
3	मुड़ु	तीन
4	नालगु	चार
5	एयदु	पांच
6	आरू	छ:
7	ऐडू	सात
8	एम्दी	आठ
9	तोम्दी	नौ
10	पद्दी	दस
11	पदकोंडू	गयारह
12	पनेनडू	बारह
13	पदमुडू	तेरह
14	पदनालगु	चौदह
15	पदयेदु	पन्द्रह
16	पदआरू	सोलह
17	पदऐडू	सत्रह
18	पदऐम्दी	अठारह
19	पोनेमदी	उन्नीस
20	ऐरेया	बीस
30	ऐरेपद्दी	तीस
40	नालपेइया	चालीस
50	नालपेपद्दी	पचास
60	मुड़कोल्लू	साठ
70	मुड़कोलपद्दी	सत्तर
80	नालकोल्लू	अस्सी
90	नालकोलपद्दी	नब्बे
100	ओकनुरू	सौ

ओपरोल ओडउंलो सांतरउ

सेल्का मननि एनगि

ओक सेल्का सानरोलनिचि पिन्जरालोउन्डि बोरएपिन्दि। अपडु अदि पिन्जरा इड़सिसि एगरबोतोहोन्दि। अदि एगरकोटा एँडलो कि पोतोन्दि। अकड़ा हरियलि मननि काइलसुसि भारि खुस ओइन्दि।अदि इचोटमेंनिचि अचोटमें तिरग-तिरगि कायलु तेटोहोन्दि। ओकनाडु ओक चोट किन्दकि ओक एनगि पोनको उनिन्दि। सेल्का दनि लगदेतनकि दनदेर एगर एलि, एनग बोरक्य मेन्द कुकोइ दनमुठतोकि केड़तोहोन्दि। दिनतोकि एनगि लेगपोतोहोन्दि। अपडु एनगि सेल्कतो “एट चेतना सकन ओन्डलापोना” एनि अटोहोन्दि। अपड़ु सेल्का नोइकोटा अकनिचि पोतोन्दि। अनिचि एनगि मना पोनकोतोहोन्दि । सेल्का मना अलागे चेतोहोन्दि, अपड़ु एनगि कामपेड़पोतोहोन्दि। अकनिचलेगि अदि मइन्दओचनि निरलोएलि कुकोतोहोन्दि। अपडु सेल्का मना एनगदेर एलि दानबोरकय मेन्दा कुकोइ मना केड़स्तोटोन्दि, अपडु एनगि दानमुठतो सेलकमेन्दा निलतोनि कोड़तोहोन्दि। दनतोकि असेल्का निलो पेड़पोइ मुनगपोतोटोहोन्दि अपड़ु एनगि दनमेन्दा दयासेसि दनि निलोनिचि लागि ओडनि पेटेतोहोन्दि, मननि दानमेन्दा नोइकोटा अकनिचि पोतोन्दि। दिनतोकि असेलकनि, पदोलतोकि चेनोलनि मजाका चेतनकलोद एनि समझ ओतोन्दि ।

तोता और हांथी

एक तोता बहुत दिन से पिन्जरे में रहकर बोर हो गई थी। तब वह पिन्जरे को तोड़ कर उड़ गई।वह उड़ ते हुए जंगल में चलीगई। वंहा कि हरीयालि और फलो को देखकर बहुंत खुश हुई। वह इस पेंड से उस पेंड गुम-गुमकर फल खाती थी है । एक दिन एक पेंड के निचे एक हांथी सो रहा था। तोता उसको उठाने के लिए, उसके पास उड़ के जाकर हांथी के सिर पर बैटकर अपने चोंच से काट देती है । इससे हाथी उठ जाता है । तब हांथी से बोला “क्या कर रही हो, ठीक से रहा नहीं सकती ”। तब तोता हंसते हुए वंहा से चली जाती है । उसके बाद हाथी फिर से सॊ जाति है । तोता फिर से वेसा ही करती है , तब हाथी गुस्सा हो जाता है । उसके बाद वह नदी किनारे पानी में जा कर बैठ जाता है तब तोता फिर से हाथी के पास जाकर उसके सिर पर फिर से काटने को जाती है । तब हाथी उसके सुन्ड से तोते के ऊपर पानी मार देता है , उससे तोता पानी में गिरकर डुबने लगता है । तब हाथी उस पर दया करके उसे पानी में से निकाल कर किनारे रख देता है ,और उसके ऊपर हंसते हुए वह से चला जाता है ।

संजय गोंड़
लोहर्सि, जिला- जांजगीर

नक्का मननि कोंगा:

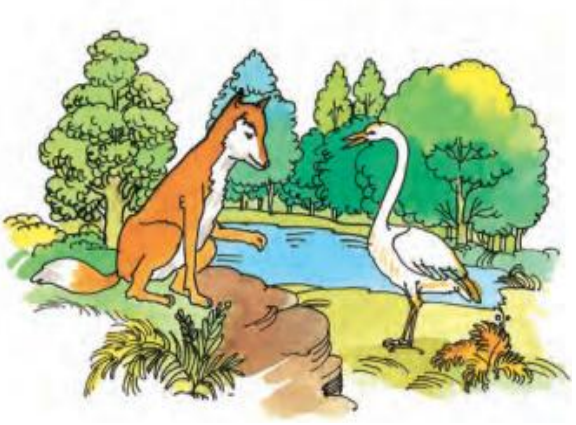

ओक नक्का मननि ओक कोंग उन्डिन्दि। रोन्डुनि इल्लु केटइ, नक्का बेसरम बाँतिसि तुकपिड़िचि इल्लि केटिन्दि, कोंगतक्लेनि एदरबदा बांति इल्लि केटिन्दि। ओक्नाड़ु भारि गलदुमु मननि ओना ओचिन्दि, नकइल्लु गलदुम तोनि एगरपोतोहोन्दि, मननि दन प्याल्लतकले एगरपोतोनइ। अकनिचि नक्का कोंगदेर एलि "नकि कुतादु सोटइचि" एनि एटोहोन्दि। अपड़ु कोंगा नकतोकि " नदेरि सोट लोदु" एनि एनिन्दि। अपड़ु नक्का कोंगतोनि एटोहोन्दि नकि कुतादु सोट इचि , कोंगा नक्कनि सुसि दयासेसि दनगुड़ल ओचनि सोट इचिन्दि। सेक्लोनि कोंगा नेरबो ओटोहोन्दि। अपड़ु नक्का दनओचनि गुड़लु सोतोहोन्दि। अपड़ु नक्कि आगुडलु तेडनकि, लोभ चोकोतोहोन्दि। अपड़ु नक्का ओक गुड़ लगिसि तिनेतोहोन्दि। गुड तिन्नपुड़ु, कुरुम-कुरुम एनि अवजा ओतोहोन्दि। अपड़ु कोंगा नक्तोनि "एटतेनउ नक्का एनि" एड़गतोहोन्दि। अपड़ु नक्का "नअतकलु मड़पोन रोटु इचुनलु अदि तहनु" एनि एनिन्दि। एलाएनकोटा गुडलअनि तिनेतोहोन्दि। पोदनि नक्का इटोनिचि दोरन्पोइ कोंगनि "नि गुडलु चुसकोय कोंगबावा नि गुडलु चुसको कोंगबावा" पाड़कोटा एटोहोन्दि अपड़ु कोंगा गुडल चोतनकि इटो एलतोहोन्दि, ओक्टि गुडल ओनकतोनइ, अपड़ु कोंगा सिंपरि, कँप्पा, टेंगि, कोदरि, पोटकोइ नक्क अनकला कोड़तनकि पिगड़तोहोन्दि। अपड़ु नक्का एड़लोनि परपोतोहोन्दि।

विनय गोंड
लोहर्सि, जांजगीर

ओक एड़लोनि नालगु एदलु उन्डोइ

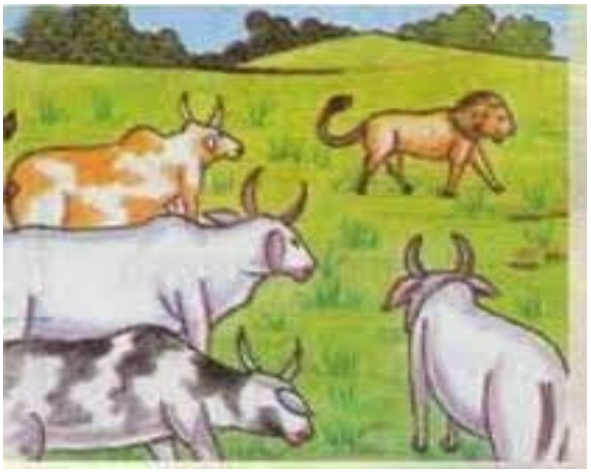

ओक एड़लोनि नालगु एदलु उन्डोइ। अइ एकदुसरतोनि भारि सँगि उन्डाइ। अइ अन्दलो केलचकोइ उन्डोइ। केलचकोइ मेसोइ मननि तिरगोइ। अइ भारि सुकतो उन्डोइ । अल्मेना ओलाना हमला चेसोलु अपड़ु नालगु केलचि दलबड़ोइ। मननि दनि कोटिसि परपोयोइ। अ एड़लोनि ओकटि पुल्लि उनिन्दि, अदि अलनि एपड़ कोटको तिनेतन एनि सोतुनिन्दि। मरि अलु केलचको ओटोहोलु इद सुसि दनि हिम्मत ओयोदगादु। ओक नाड़ु एदलदांलोनि दलबट्टा एपोतोहोन्दि। नालगुनि कामबेडपोइ पतन पतन एपोतोनइ। पोदनलेगि अइ ओकोट-ओकोट मोरोसिकि मेत्नकि एलइ। पुल्लि एदलु दोसतिया एपड़ खतम ओइतद एनि सनरोलनिचि इ ताकलोनि कुको उन्डिन्दि। अदि ओकोट-ओकोट एदनि सागोटिसि तिनिन्दि।

महावीर गोंड़
घटमड़वा, बलौदाबजार-भाटापार

ओपरोल ओडउंलो सब्दकोसु

क

काया - *फल*	कुतादु - *कम*
केसउ - *नमकीन*	कापोलु - *अन्न्य जाति*
केलचपो - *मिलना*	

ख

खतरनका - *खतरनाक*	खोली - कमरा
खेती - *खेती*	खुरा - *खुर*
खत्म - *अंत*	

ग

गडँ - *दाड़ि*	गालदुम्मु - *तुफान*
गाली - *हावया*	गाद्दा - *चिल*
गुपड़ु - *मुट्ठि*	

घ

घड़ीया - *घड़ी*	घाटा - *घाटा*
घमंड - *घमंड*	घुलपो - *घुलना*
घुरघुर - *घुरघुर*	

च

चट्टु - *पेंड़*	चोल्लु - *झुट*
चपलु - *चप्पल*	चाकुआ - *चाकु*
चापलु - *माछली*	

छ

छलकनादि - *छलकना*	छुट्टिदिनि - *छुट्टि का दिन*
छानि - *छानना*	

ज

जट्ठा - *गुच्छा (बालों का)*	जांइकाया - *बिहि*
जुट्टु - *बाल*	जड़िया - *जड़ पेड़- पौधों कि*
जामुनु - *जामुन*	

झ

झरना - *झरना*	झान्डा - *झान्डा*
झान्डा - *झान्डा*	झोला - *थैला*
झरना - *झरना*	

ट

टपकनदि - *टपकना*	टेलरा - *टेलर*
टँगीची- *टँगना*	टोपु - *टोपि*
टीकली - *बिंदी*	

ठ

ठिक - *ठिक*	

ड

डब्बा - *डब्बा*	ड़ोंगा - *नाव*
डरपोकना - *डरपोकना*	डिग्रिया - *डिग्रि*
डाक्टरा - *डाक्टर*	

ढ

ढोल - *ढोल*	

त

तलगनी - *रोशनी*	तबिलि - *कछुआ*
तलग्नी - *सफेद*	तारा - *तार*
तागु - *पीना*	

थ

थाना - *थाना*	

द

दड़सका - *साहसिक*	दंढ़ा - *माला*
ददा - *चाचा*	दा - *आइए*
दनबादा - *बाद में*	

ध

धनिया - *धनिया*	धोखा इचेणु - *धोखा देना*
धान मेड़ि - *धान क खेत*	धोबड़पो - *घुसना*
धार - *धारा*	

न

नकि - *मुरेको*	नरालु - *नस*
नक्का - *सियार*	नाकु - *चाटना*
नड़ नेति - *खोपड़ी*	

प

पइया - *बछड़ा*	पन्नु - *दात*
पचि - *पचाना*	पलकाया - *दँतुयान*
पत्तना - *अलग*	

फ

फड़फड़िचि - *फड़फड़ाना*	फुलनादि-कातनादि - *फुलना-फलना*
फायदा - *फायदा*	फुलु - *फुल*
फाइली - *फाइल*	

ब

बजउ - *बख़ोटी*	बकनाडु - *बकना*
बंगरउ - *सोना*	बमुगु - *मुगँ फली*
बंद चेसी - *बंद करना*	

भ

भया - *प्यार*	भागिच्ची - *भागना*
भरी - *भरना*	भुंसीया - *भुसा*
भरोसा - *आशा*	

म

मरी - *अगर*	मोटा - *पहले*
म मेड़सलु - *रिश्तेदार*	माटा - *शब्द*
माउलु - *अपने*	

य

येत सकना - *मासुम*	

र

रकलु - *पंख*	रापोते - *या*
रतऊ - *खुन*	रोजलु - *दिन*
रया - *पत्थर*	

ल

लकबेटी - *गणना*	लाक्को - *लेना*
लगबेट्टु - *गिनना*	लेड़ी - *हिरन*
लगभगा - *लगभग*	

व

वकीली - *वकील*	विवादा - *विवाद*
वापस - *वापस*	विदेसि - *विदेशि*
विग्यापना- *विग्यापन*	

स

सकअ - *कांख*	सहको - *सहना*
सकनी - *स्पष्ट*	सिबड़नड़ु - *दिखाना*
सिबेट्टी - *प्रदर्शन*	

ह

हता - *हद*	हुंगलाड़ु - *कुदना*
हरिच्चि - *हारना*	हटिच्ची - *हटना*

ड़

हुंगलड़ु - *कुदना*	नोरेन्ड़पोइ - *प्यासा*
नेबाड़ु - *खड़ा होना*	देड़स्पोनाड़ु - *डरना*
मुड़के - *घुटना टेकना*	

विनय गोंड़

शिवरिनारायन, छत्तिसगड़

9993378982